संत ज़ेवियर सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, दिल्ली - 54

कक्षा–9 संकलित परीक्षा (एस.ए.) I – 2014–15 पूर्णांक–90

दिनाँक–15.9.2014 हिन्दी समय–3

?kaVs

निर्देश – 1. इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं – क, ख, ग, घ।
2. चारों खंडों के उत्तर क्रमानुसार देना अनिवार्य है।
3. सुलेख तथा वर्तनी पर अवश्य ध्यान दीजिए।

खंड क

I. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर शब्दों में भी दीजिए।

मिट्टी ने मटके से पूछा – 'मैं भी मिट्टी और तू भी मिट्टी। परन्तु पानी मुझे बहा ले जाता है और तू पानी को अपने में समा लेता है। दिनों–महीनों भीतर पानी भरा रहता है, पर वह तुझे गला नहीं पाता।' मटका बोला –'मैं पहले पानी में भीगा, पैरों से गूंथा गया, चाक पर चला, थापों की चोट खाई, आग में तपाया गया। इतनी यातनाएँ झेलने के बाद यह क्षमता पैदा हुई कि अब पानी मेरा कुछ बिगाड़ नहीं पाता।'

मंदिर की सीढ़ियों पर जड़े पत्थर ने मूर्ति में लगे पत्थर से पूछा – 'भाई, तू भी पत्थर मैं भी पत्थर, पर लोग तुमको पूजते हैं और मुझे कोई पूछता तक नहीं। सुबह–शाम तेरी आरती उतारी जाती है, तेरे आगे लोग सिर टेकते हैं, पर मुझे कोई जानता तक नहीं, लोग मुझे पाँवों से रौंदते हैं। ऐसा अन्याय क्यों?' मूर्ति के पत्थर ने कहा – 'तू नहीं जानता मैंने अपने शरीर पर कितनी छैनियाँ झेली हैं, मुझे कितना घिसा गया है। इतने कष्ट झेलने के बाद मैं यहाँ तक पहुँचा हूँ। तुमने इतनी यातनाएँ नहीं झेलीं; इसलिए तुम फर्श पर हो।'

इन दो उदाहरणों से स्पष्ट है कि तप का कोई विकल्प नहीं है। सभी के दो हाथ, दो पैर, दो आँखें और शरीर होता है, पर क्यों एक व्यक्ति उन्नति के शिखर पर पहुँचता है और दूसरा अवनति के गर्त में गिरता है। उन्नति के लिए 'तप' अनिवार्य माध्यम है। तप का अर्थ है मन और बुद्धि की ऊर्जा को अपने लक्ष्य में लगाना और मार्ग में आए प्रलोभनों से विचलित न होना, उन्हें महत्त्व न देना। तप का अर्थ है प्रयास करना, परिश्रम करना, प्रलोभनों को ठुकराकर तपस्वी की तरह आचरण करना। तन, मन और बुद्धि को एकाग्र कर निरंतर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होना।

1. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा – (1)
क. मिट्टी और मटका ख. फर्श और मूर्ति का पत्थर
ग. जीवन में तप का महत्त्व घ. सांसारिक प्रलोभन

2. पानी मटके का कुछ भी नहीं बिगाड़ पाता, क्योंकि – (1)
क. मटका शक्तिशाली है। ख. मटका आकार से गोल है।
ग. मटका पानी को महत्त्वहीन समझता है। घ. मटका आघातों से तथा तपने से मज़बूत बन गया है।

3. सीढ़ियों का पत्थर मूर्ति के पत्थर की तरह पूज्य क्यों नहीं है? (1)
क. सीढ़ियों का अनिवार्य हिस्सा होने के कारण
ख. मूर्ति के पत्थर की तरह कष्ट और यातनाएँ न झेलने के कारण
ग. मूर्ति का अंश न होने के कारण घ. आने–जाने वालों के पैरों में रहने के कारण

4. 'पत्थर' का पर्यायवाची नहीं है – (1)
क. परिधान ख. पाषाण ग. प्रस्तर घ. पाहन

5. 'तप' का स्वरूप नहीं है – (1)
क. लक्ष्य–प्राप्ति के मार्ग में आए आकर्षक प्रलोभनों का त्याग
ख. एकाग्र मन और बुद्धि द्वारा निरंतर लक्ष्य की ओर अग्रसर होना
ग. उद्देश्य प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत और कोशिश
घ. शरीर पर भभूत लगाकर संयासी बनने का स्वाँग करना

II. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़े तथा उत्तर के उचित विकल्प का चयन कर, शब्दों में उत्तर दीजिए। (5)

ज़िंदगी के असली मज़े उनके लिए नहीं है, जो फूलों की छाँह के नीचे खेलते और सोते हैं; बल्कि फूलों की छाँह के नीचे अगर जीवन का कोई स्वाद छिपा है तो वह भी उन्हीं के लिए है, जो दूर रेगिस्तान से आ रहे हैं, जिनका कंठ सूखा हुआ, होंठ फटे हुए और सारा बदन पसीने से तर है। पानी में जो अमृतवाला तत्व है, उसे वह जानता है, जो घूप में खूब सूख चुका है; वह नहीं, जो रेगिस्तााान में कभी पड़ा ही नहीं है। सुख देने वाली चीज़ें पहले भी थीं और अब भी हैं। फर्क यह है कि जो सुखों का मूल्य पहले चुकाते हैं और उनके मज़े बाद में लेते हैं, उन्हें स्वाद अधिक मिलता है। जिन्हें आराम आसानी से मिल जाता है, उनके लिए आराम ही मौत है। जो लोग पाँव भीगने के खौफ़ से पानी से बचते रहते हैं, समुद्र में डूब जाने का खतरा उन्हीं के लिए है। लहरों में तैरने का जिन्हें अभ्यास है, वे मोती लेकर बाहर आएँगे।

ज़िन्दगी को ठीक से जीना हमेशा ही जोखिम झेलना है और जो आदमी सकुशल जीने के लिए जोखिम की जगह एक घेरा डालता है, वह अंततः अपने ही घेरों के बीच कैद हो जाता है। वास्तव में ज़िन्दगी

से हम उतना ही पाते हैं जितनी उसमें पूंजी लगाते हैं। अतः कामना का आंचल छोटा मत करो, ज़िंदगी के फल को दोनों हाथों से दबाकर निचोड़ों, रस की निर्झरी तुम्हारे बहाए भी बह सकती है।

Contd.....2.

1. इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा –
   क. दुखी जीवन ख. कायरतापूर्ण जीवन ग. निडर मानव घ. हिम्मत और ज़िन्दगी
2. ज़िन्दगी के असली मज़े उनके लिए नहीं होते जो –
   क. दूर रेगिस्तान से आ रहे हैं। ख. अपना कंठ सूखा रखते हैं।
   ग. फूलों की छाँह के नीचे खेलते व सोते हैं। घ. अपने होंठ फ़टे रखते हैं।
3. पानी में अमृतवाला तत्व वही व्यक्ति जानता है; जो –
   क. पानी को अमृत बनाने की क्षमता रखता है। ख. धूप में खूब सूख चुका है।
   ग. दिनभर आराम करते–करते पानी पीता है। घ. खूब पानी पीता है।
4. समुद्र से मोती लेकर कौन बाहर आता है –
   क. जो लहरों में तैरने का अभ्यस्त है। ख. जो लहरों में तैरने से डरता है।
   ग. जो पाँव भीगने का खौफ़ रखता है। घ. जो दिनभर आराम करता है।
5. ज़िन्दगी में पूँजी लगाने से लेखक का क्या अभिप्राय है –
   क. श्रेष्ठ इच्छाएँ रखना ख. अथक परिश्रम करना
   ग. निरंतर संघर्षपूर्ण प्रयत्न करते रहना घ. उपर्युक्त सभी विकल्प उचित हैं।

III. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर शब्दों में भी दीजिए।

संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झड़कर कुसुम
जो लक्ष्य भूल रूका नहीं
जो हार देख झुका नहीं
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही
सच हम नहीं सच तुम नहीं
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे
जो है जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे
tks Hkh ifjfLFkfr;k̆ मिले, काँटे चुभे, कलियाँ खिले
हारे नहीं इंसान,है संदेश जीवन का यही
सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज़ संघर्ष ही।

1. 'जो नत हुआ, वह मृत हुआ' से कवि का आशय है – (1)
   क. जिसने संघर्ष किया, वही मृत हुआ। ख. जिसने संघर्ष नहीं किया; वहीं मृत हुआ।
   ग. जिसने हार नहीं मानी, वही मृत है। घ. जिसने निडरता से सामना किया, वही मृत हुआ।
2. 'अपने आप से लड़ना' का आशय है – (1)
   क. अपने परिवार से लड़ना ख. अपने समाज से लड़ना
   ग. अपनी अच्छी बातों से लड़ना घ. अपनी कमियों और अकर्मण्यता से लड़ना
3. 'कुसुम' शब्द का पर्यायवाची नहीं है – (1)
   क. अरविंद ख. प्रसून ग. सुमन घ. पुष्प
4. जीवन का वास्तविक अर्थ क्या है? (1)
   क. प्रेम में पड़कर लक्ष्य से भटक जाना ख. संघर्षों में कभी हार नहीं मानना
   ग. जड़ होकर कष्टों का सामना करना घ. संसार को सच नहीं मानना
5. 'परिस्थितियाँ' – शब्द में उपसर्ग, मूल शब्द, एवं प्रत्यय का उचित विकल्प होगा – (1)
   क. परिस + थित + इयाँ ख. परि + स्थित + इयाँ
   ग. परि + स्थिति + याँ घ. पर + स्थित + इयाँ

IV. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर के लिए उचित विकल्प का चयन कर शब्दों में भी उत्तर दीजिए –

है ज़रूरत देश में अब एकता की बात हो।
धर्म–मजहब की नहीं इंसानियत की बात हो।।
मर मिटे हम देश पर जज़्बा सभी के दिल में हो।
राष्ट्र के निर्माण की और उन्नति की बात हो।
मैं हूँ हिन्दू, तू मुस्लमान, वो ईसाई–सिख है।
अब न ये अलगाव हो बस जोड़ने की बात हो।।
हम हैं सब हिन्दुस्तानी गर्व है इसका हमें।

एक हम सबकी विरासत, उसकी ही बस बात हो।।
कौन ब्राह्मण कौन ठाकुर कौन वैश्य और शूद्र है।
जाति–पाँति में न बाँटो कर्म की बस बात हो।।
मीर जाफर और जयचन्दों का कर दो खात्मा।
राम की धरती पै रावण राज की ना बात हो।।
कर जा ऐसा भी युवा तू काम कोई विश्व में,
जब भी कोई दे उदाहरण बस तेरी ही बात हो।।

Contd.....3.

1. आज देश को किस बात की ज़रूरत नहीं है? (1)
   क. धर्म की बात की। ख. राष्ट्र निर्माण की बात की।
   ग. एकता की बात की। घ. इंसानियत की बात की।
2. देश में अलगाव की भावना पनपने के प्रमुख कारण क्या हैं? (1)
   क. गरीबी–अमीरी के कारण ख. जातिवाद के कारण
   ग. पारस्परिक शत्रुता के कारण घ. ज्ञान–अज्ञान के कारण
3. देशवासियों में एकता का भाव तब पैदा हो सकता है जब – (1)
   क. हम केवल अपने धर्म को महत्त्व दें ख. हम अपनी मातृभाषा को ही श्रेष्ठ समझें
   ग. हम अपने को भारतीय समझें घ. हमें अपने प्रान्त पर गर्व हो
4. 'विरासत' – शब्द का पर्यायवाची होगा – (1)
   क. धर्म ख. कर्तव्य ग. कार्य घ. उत्तराधिकार
5. 'मीर जाफ़र और जयचंद' कौन थे – (1)
   क. देशप्रेमी ख. देशद्रोही ग. देशसेवक घ. देशभक्त

खंड ख

V. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (1x5=5)

1. 'परिपक्वता' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग, मूल शब्द एवं प्रत्यय अलग कीजिए।
2. 'अधः' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।
3. 'इयल' प्रत्यय का प्रयोग कर दो शब्द बनाइए।
4. 'पर + लोक + इक' इन खण्डों का प्रयोग कर उचित शब्द का निर्माण कीजिए।
5. सामासिक शब्द के पदों को अलग करने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?

VI. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के उचित विकल्पों का चयन कीजिए तथा शब्दों में भी लिखिए – (½x4=2)

1. पाँच आबों का समूह –
   क. पंचाननः – बहुव्रीहि समास ख. पंजाब – द्विगु समास
   ग. पंचमुखी – तत्पुरूष समास घ. पंचवटी – कर्मधारय समास
2. आँखों के सामने (उचित समस्तपद एवं भेद बताएँ) –
   क. प्रत्यक्ष – अव्ययीभाव समास ख. नेत्र समक्ष – तत्पुरूष समास
   ग. त्रिनेत्र – बहुव्रीहि समास घ. सुमुखी – कर्मधारय समास
3. वह विकल्प चुनिए जिसमें बहुव्रीहि समास नहीं है –
   क. अंशुमाली ख. षडानन ग. महेश घ. बेखटके
4. सतसई – सात सौ दोहों का समूह (भेद बताइए) –
   क. द्विगु समास ख. द्वद्व समास ग. कर्मधारय समास घ. अव्ययीभाव समास

VII. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार का नाम बताइए; उचित विकल्प का चयन कर शब्दों में लिखिए– (½x4=2)

1. पानी गए न उबरे, मोती, मानुस चुन।
   क. मानवीकरण ख. यमक ग. अतिशयोक्ति घ. श्लेष
2. मन सागर मनसा लहरि, बूड़े बहे अनेक।
   क. रूपक ख. अतिशयोक्ति ग. यमक घ. उपमा
3. अंबर में तारे मानो मोती अनगिन हों।
   क. उपमा ख. उत्प्रेक्षा ग. श्लेष घ. रूपक
4. मन का मनका फेर।
   क. अतिशयोक्ति ख. उपमा ग. यमक घ. उत्प्रेक्षा

VIII. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (½x4=2)

1. कृपया पत्रोत्तर शीघ्र दें। (अर्थ के आधार पर वाक्य का उचित भेद होगा)
   क. संदेहवाचक वाक्य ख. आज्ञार्थक वाक्य ग. विधानवाचक वाक्य घ. इच्छावाचक वाक्य
2. वर्षा होती तो अनाज पैदा होता। (अर्थ के अनुसार वाक्य का उचित भेद होगा)
   क. संकेतवाचक वाक्य ख. निषेधवाचक वाक्य ग. विधानवाचक वाक्य घ. प्रश्नवाचक वाक्य
3. मैं तो अब यह काम करने से रहा। (अर्थ के आधार पर वाक्य भेद बताएँ)
   क. विधानवाचक वाक्य ख. प्रश्नवाचक वाक्य ग. संदेहवाचक वाक्य घ. निषेधवाचक वाक्य
4. वाक्य रचना के दो अनिवार्य तत्व हैं –
   क. अर्थ और स्वरूप ख. मौखिक और लिखित

ग. पदक्रम और अन्विति   घ. संज्ञा और क्रिया

Contd.....4.

IX. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (1x4=4)

1. 'वाक्य' किसे कहते हैं?
2. 'पद' किसे कहते हैं?
3. अतिशयोक्ति अलंकार का एक उदाहरण दीजिए।
4. अलंकार की परिभाषा बताइए।

खंड ग

X. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के उचित विकल्प लिखिए –

gम सांस्कृतिक अस्मिता की बात कितनी ही करें; परंपराओं का अवमूल्यन हुआ है, आस्थाओं का क्षरण हुआ है। कड़वा सच तो यह है कि हम बौद्धिक दासता स्वीकार कर रहे हैं, पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश बन रहे हैं। हमारी नई संस्कृति अनुकरण की संस्कृति है। हम आधुनिकता के झूठे प्रतिमान अपनाते जा रहे हैं। प्रतिष्ठा की अंधी प्रतिस्पर्धा में जो अपना है उसे खोकर छद्म आधुनिकता की गिरफ्त में आते जा रहे हैं।

1. उपर्युक्त गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम बताइए। (1)
2. पाश्चात्य संस्कृति के फैलाव का क्या परिणाम है? (1)
3. 'छद्म आधुनिकता' से लेखक का क्या अभिप्राय है? (1)
4. 'सांस्कृतिक' शब्द से मूल शब्द तथा प्रत्यय छाँटिए। (1)
5. भाषा शैली की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (1)

अथवा

मिथकों की दुनिया में इस सवाल का जवाब तलाश करने से पहले एक नज़र कमज़ोर काया वाले उस व्यक्ति पर डाली जाए जिसे हम सालिम अली के नाम से जानते हैं। उम्र को शती तक पहुँचने में थोड़े ही दिन तो बच रहे थे। संभव है, लंबी यात्राओं की थकान ने उनके शरीर को कमज़ोर कर दिया हो, और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी उनकी मौत का कारण बनी हो। लेकिन अंतिम समय तक मौत उनकी आँखों से वह रोशनी छीनने में सफल नहीं हुई जो पक्षियों की तलाश और उनकी हिफ़ाज़त के प्रति समर्पित थी। सालिम अली की आँखों पर चढ़ी दूरबीन उनकी मौत के बाद ही तो उतरी थी।

1. लेखक तथा पाठ का नाम बताइए। (1)
2. सालिम अली कौन थे? उनकी आत्मकथा की पुस्तक का नाम तथा उनके कार्यों का उल्लेख कीजिए। (2)
3. भाषा शैली की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख करते हुए; कोई दो उर्दू शब्द गद्यांश से लिखिए। (2)

XI. निम्नलिखित iz'uksa के उत्तर दीजिए। (2x5=10)

1. हीरा और मोती किनके प्रतीक है? प्रस्तुत पाठ में दिए गए किन्हीं तीन नीति–विषयक मूल्यों का वर्णन कीजिए।
2. तिब्बत में उस समय हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?
3. ''जाने अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।'' – आज की उपभोक्ता वादी संस्कृति हमें कैसे प्रभावित कर रही है?
4. सालिम अली पर्यावरण के लिए चिंतित थे? आप पर्यावरण को बचाने के लिए अपना योगदान किस प्रकार दे सकते हैं?
5. प्रेमचंद की महिलाओं के प्रति क्या राय थी? आप महिलाओं को उचित सम्मान देने के लिए क्या कदम उठाते हैं?

XII. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए।

या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।
आठहुँ सिद्धि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चराइ बिसारौं।।
रसखान कबौं इन आँखिन सौं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।
कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।।

1. कवि तथा कविता का नाम बताइए। (1)
2. भक्त अपना क्या कुछ न्योछावर करने को, क्यों तैयार है? (1)
3. इस पद की भाषा कौन सी है? (1)
4. काव्य–सौन्दर्य की किन्हीं दो शैलीगत विशेषताओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। (1)
5. किन्हीं दो अलंकारों का वर्णन पद्यांश से उदाहरण देकर कीजिए। (1)

Contd.....5.

अथवा

कोल्हू का चर्रक चूँ? – जीवन की तान,
गिट्टी पर अँगुलियों ने लिखे गान!
हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ,
खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ।
दिन में करूणा क्यों जगे, रुलानेवाली,
इसलिए रात में गज़ब ढा रही आली?

1. कवि तथा कविता का नाम बताइए। (1)
2. 'मोट' किसे और क्यों कहा गया है? उस समय की परिस्थितयों का वर्णन कीजिए। (2)
3. काव्य सौंदर्य की किन्हीं दो भाषा व शैलीगत विशेषताओं का वर्णन करते हुए; किन्हीं दो अलंकारों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। (2)

XIII. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5=10)

1. गाँव को ''मरकत डिब्बे सा खुला'' तथा ''हरता जन मन'' क्यों कहा है?
2. ललद्यद ने भेदभाव न करने की सीख 'वाख' कविता के द्वारा दी। आपसी भेदभाव से समाज को क्या हानि हो रही है? आपसी भेदभाव कैसे मिटाया जा सकता है?
3. 'मानसरोवर' से कवि का क्या आशय है, इसमें कौन क्रीड़ा करता है और क्या चुगता हैं?
4. भक्त प्रत्येक जन्म में ब्रज भूमि में ही किन–किन रूपों में जन्म लेना क्यों चाहते हैं?
5. किस शासन काल की तुलना तम के प्रभाव से की गई है? और क्यों?
6. सखी ने गोपी से किसका व कैसा रूप धारण करने को कहा था व गोपी क्या नहीं करना चाहती – क्यों?

XIV. जलप्रलय से आप क्या समझते हैं? इस प्रकार की आपदाओं के प्रमुख कारण बताते हुए; आपदाओं के निवारण के लिए उपाय लिखिए। विद्यार्थी होने के नाते आप क्या योगदान देंगें। (5)

अथवा

''मेरे संग की औरतें'' – पाठ के आधार पर बताइए लेखिका एवं उसके परिवार ने समाज सेवा के लिए कौन–कौन से कार्यों द्वारा योगदान दिया? किन्हीं दो घटनाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। आप उनसे प्रेरणा लेकर समाज सेवा के किस काम को अपनाना चाहेंगे और क्यों? स्पष्ट कीजिए।

<u>खंड घ</u>

XV. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए। (5)

आपकी चैक बुक खो गयी है। इसकी सूचना किसी बैंक–प्रबंधक को देते हुए बताइए कि आपके क्या–क्या काम चैक बुक न होने से रूके पड़े हैं और उन्हें नयी चैक बुक शीघ्र ही जारी करने का अनुरोध कीजिए।

vFkok

छात्रावास में रहने वाले अपने छोटे भाई को 'समय का महत्त्व' बताते हुए नियमित अध्ययन करने की प्रेरणा देते हुए पत्र लिखिए।

Contd…..6

XVI. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए – (10)

1. आओं भारत सँवारें –
   – प्रस्तावना – नामकरण
   – भौगोलिक स्वरूप
   – विविध ऋतुएँ; शासन व्यवस्था, खान–पान, भाषा, त्योहार आदि (विभिन्नता में एकता)
   – धर्म–निरपेक्ष राष्ट्र
   – आपका योगदान

2. बाल श्रमिक –
   – भूमिका
   – श्रम के विविध प्रकार
   – श्रमिक रूप में बालक की दिनचर्या
   – उसकी इच्छाएँ
   – शोषण
   – प्रशासन के प्रयास
   – समाधान; आपका योगदान

3. वृक्ष की आत्मकथा –
   – प्रकृति का महत्त्व
   – वृक्ष का जन्म और जीवन
   – अंधाधुंध कटाई
   – परिणाम
   – उपाय
   – वृक्ष का समर्पण भाव

4. मीडिया से घिरा भारतीय युवा वर्ग –
   – विज्ञान में मीडिया
   – मीडिया का दुष्प्रभाव
   – युवाओं का आकर्षण
   – शिक्षा पर प्रभाव
   – समस्या का समाधान
   – आपके विचार

XVII. किसी एक विषय पर प्रतिवेदन तैयार कीजिए – (5)

1. आपके विद्यालय में विज्ञान विषय से संबंधित एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के सचिव की ओर से प्रधानाचार्य को प्रतिवेदन दीजिए।

2. आपके क्षेत्र के कुछ उत्साही नौजवानों ने साहित्य परिषद का गठन किया है जिससे क्षेत्र के बच्चों में साहित्य के प्रति रूझान/रूचि जगाई जा सके। इसी परिषद के सचिव के रूप में आपने पहली काव्य गोष्ठी का आयोजन किया। उस काव्य–गोष्ठी का प्रतिवेदन तैयार कर अपने क्षेत्र के अध्यक्ष को दीजिए।

*****